रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67 / 2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

नव वर्ष मंगलमय हो

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127 / 204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 48 ● अंक – 01 ● कानपुर 1 से 15 जनवरी 2026 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सरकारी बोर्ड के गठन हेतु प्रयास तेज़ किये

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों के मध्य व्याप्त भ्रान्तियां अनिश्चित्ता के चलते समाप्त नहीं हो पा रही हैं फलस्वरूप हमारा चिकित्सक पूरी क्षमता के साथ चिकित्सा व्यवसाय मन लगाकर नहीं कर पा रहा है इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने एवं अनुसंधान करने के लिए प्रदेश सरकार ने 4 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी कर एक नई दिशा प्रदान की थी जैसे ही यह शासनादेश जारी हुआ पूरे प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ हर्ष से झूम उठा हर एक के मन में एक नई उमंग थी सबके सब यही कह रहे थे कि अब उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय संरक्षण प्राप्त हो गया है, हमें भी काम करने का वही अवसर मिला है जो अन्य मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को प्राप्त है।

मात्र चिकित्सक ही नहीं इलेक्ट्रो होम्योपैथी के छात्रों एवं इस विधा के समर्थकों के बीच भी खुशी की लहर दौड़ गयी थी, जो लोग हमसे जुड़े थे उन्होंने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चलो ठीक हुआ बहुत दिनों से लगे थे सरकार ने सुन ली, यह सब कुछ तो ठीक था लेकिन जब हमारे चिकित्सक अधिकार के साथ अधिकारिता मांगने लगे तो अधिकारियों का रूख बदल गया, अधिकारियों ने कहा कि शासनादेश तो हुआ है लेकिन इसका अनुपालन हम तभी करेंगे जब हमारे उच्च अधिकारी अर्थात महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 हमें निर्देशित करेंगे व 4 जनवरी, 2012 के आदेश के अनुपालन के लिए हमें आदेशित करेंगे, यह सूचनायें जैसे ही बोर्ड के पास पहुँचीं थीं बोर्ड ने पूरे प्रयास के साथ महानिदेशक से सम्पर्क साधा तथा निवेदन किया कि वह अपने स्तर से अपने अधीनस्थ को निर्देशित करें कि 4 जनवरी, 2012 के आदेश का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, बोर्ड के इस निवेदन पर महानिदेशक ने ध्यान दिया और 02 सितम्बर, 2013 को एक पत्र समस्त अपर निदेशकों को सम्बोधित करते हुए लिखा कि वे प्रदेश सरकार द्वारा बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए जारी किये गये 4 जनवरी, 2012 के शासनादेश का परिचालन करायें, इसकी प्रति समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारियोंको भी पृष्ठांकित की गई इस आदेश को सभी अपर महानिदेशकों को बोर्ड ने भी अपने स्तर से उपलब्ध कराया, इस आदेश की उपलब्धता के उपरान्त भी अधिकांश मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने इस विषय पर गम्भीरता से कार्यवाही नहीं की, फलस्वरूप स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं हो पाया, बोर्ड के प्रयास के बाद प्रदेश सरकार ने दिनांक 03 अगस्त, 2016 को एक नया शासनसदेश संख्या 1297 / 71– आयुष–1–2016– डबलू–283 / 2014 जारी किया।

अब पंजीयन की नई व्यवस्थानुसार स्थिति बदल चुकी है अब हर विधा के चिकित्सकों का पंजीयन उनका अपना विभाग कर रहा है और मुख्य चिकित्साधिकारी केवल एलोपैथी चिकित्सकों के पंजीयन के आवेदन स्वीकार कर रहे हैं, शासनादेश के अनुपालन में अब इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का पंजीयन बोड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी / क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा सुचारु रुप से किया जा रहा है, परिस्थितियां और समय में पल पल परिवर्तन हो रहा है, एक तरफ तो हम मान्यता की तरफ़ बढ़ रहे हैं वहीं दूसरी तरफ हम अपने कार्य के प्रति गम्भीर भी नहीं दिख रहे हैं, सरकार लगभग हर विषय पर सकारात्मक निर्णय ले रही है बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने केन्द्र सरकार से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये पृथक सरकारी बोर्ड की स्थापना हेतु पुनः लिखा–पढ़ी चालू कर दी है।

इतिहास साक्षी है कि जब–जब बोर्ड ने कोई ठोस कदम उठाया है परे दम खम के साथ काम किया है, आपको याद होगा एक समय ऐसा भी आया था जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रायः लुप्त सी हो रही थी बोर्ड ने ही सरकारी संजीवनी देकर पुनः इस पद्धति को जीवित किया था इसे इशवरी देन समझें, बोर्ड ने पद्धति के हित के लिये सदैव बाज़ी को पलट दिया है।

ज्ञान देने वाला व्यक्ति कहीं आपको अभिमानित न कर रहा हो ....

ज्ञान का होना जितनी व्यक्तिगत उपलब्धि है उतनी ही परमेश्वर प्रदत्त क्षमता, ज्ञान व्यक्ति में विनम्रता को जन्म देता है और यही ज्ञान कभी कभी अज्ञानता वश व्यक्ति में अहंकार को जन्म दे देता है, ज्ञान जब तक सीमाओं में रहता है तब तक वह फलदायी होता है और जैसे ही ज्ञान सीमायें तोड़ने लगता है तो यही टुटी हुई सीमायें मर्यादा उल्लघन में तनिक भी देर नहीं लगाती हैं।

संसार में ज्ञान की सदैव से पूजा होती चली आयी है क्योंकि ज्ञान ही अज्ञानता के तिमिर को हटाता है यदि मनुष्य के मन में अज्ञानता बनी रहती है तो वह व्यक्ति न तो अपने लिए कुछ कर पाता है और न ही समाज को कुछ दे पाता है, ऐसा कहा जाता है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में रहने वाले हर प्राणी का यह दायित्व होता है कि समाज के नियमों और परिनियमों का पालन करते हुए समाज को एक मर्यादित रूप में संचालित होते रहने की कल्पना को साकार करे, ज्ञान जब अभिमान बन जाता है तो यह अभिमान ज्ञानी पुरूष के लिए अभिशाप भी बन जाता है और धीरे–धीरे वह अज्ञानी व्यक्ति स्वतः ही रसातल को चला जाता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में भी बहुत सारे ज्ञानी व्यक्ति हैं जो समय समय पर अपने ज्ञान का प्रदर्शन करते रहते हैं जब तक उनका ज्ञान समाज के लिए लाभकारी होता है तब तक तो समाज उसे स्वीकार करता है लेकिन जब दिया गया ज्ञान सीमाओं को तोड़ने लगता है तब न तो वह व्यक्ति स्वीकार होता है और न ही उसकी बतायी हुई बातें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बीते कुछ दिनों से ऐसी ऐसी बातें सामने आयी हैं जिनपर भरोसा करना मुश्किल होता है, इस पर जो हमारे ज्ञानी जन हैं वह कुछ इस प्रकार के तर्क देते हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि मानो ज्ञान का सारा भण्डार उन्हीं के पास है, पिछले दिनों राजस्थान के सन्दर्भ में जिस प्रकार की बातें सामने आयीं वह कभी तो पछतावे की तरफ और कभी छलावे की तरफ इंगित करती हैं।

जनता को सोशल मीडिया के माध्यम से और समाचार पत्रों के माध्यम से जब यह बताया गया कि राजस्थान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सरकारी बोर्ड बन गया है यह खबर आम जन तक पहुंची तो एक बार तो पूरे देश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ हर्ष से उत्साहित हो गया परन्तु यह खुशी ज़्यादा दिनों तक नहीं टिक सकी और वहीं हुआ जो गज़ट द्वारा पूर्व के अंको में सम्भावना व्यक्त की गयी थी हमने पूर्व में भी कहा था कि मान्यता देने का अधिकार केवल केन्द्र सरकार के पास निहित है राज्य सरकारें केवल अपने राज्य में इसका अनुपालन कर सकती हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने शासनादेश संख्या 2914/पाँच/6–10–23रिट/11 लखनऊ दिनांक 04 जनवरी, 2012 में भारत सरकार के आदेश दिनांक 25–11–2003 संख्या आर–/24/96 यू0 एण्ड एच0 (आर) (पार्ट) का उल्लेख किया है और साफ–साफ कहा है कि मेडिसिन की नई पद्धतियों को मान्यता प्रदान करने के विधान का अधिनियम होने के पश्चात किसी भी क्रिया कलाप अथवा शिक्षा को उक्त अधिनियम के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

हर व्यक्ति एक दूसरे को उपदेश और ज्ञान देता है इसी प्रसंग में एक ज्ञानी, एक सीधे सादे व्यक्ति को ज्ञान देने लगा, तब उस व्यक्ति ने बहुत ही मार्मिक और सटीक उत्तर दिया कि वर्षों पहले भगवान श्री कृष्ण कुरूक्षेत्र में ज्ञान दे गये थे अब हमें ज्ञान की क्या जरूरत, कहने का तात्पर्य यह है कि किसी की बातें तब तक सुनने और समझने में रोचक लगती है जब तक सुनने वाला व्यक्ति यह समझकर सुनता है कि जो कुछ भी हमें सुनाया जा रहा है वह सत्यता से परे नहीं है और वास्तविकता के करीब है परन्तु बात जब समझ में न आवे तब वह बात न तो सुनने में अच्छी लगती है और न ही समझने में।

आने वाले समय में अब जो कुछ भी होगा, निश्चित रूप से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए एक दिशा तो तय कर ही देगा।

समय आ गया है नई रणनीति बनाने का

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य करने वाले हर कार्यकर्ता का कर्म भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी है और धर्म भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी है, जिस तरह से क्षत्रिय अपना क्षत्रिय धर्म निर्वहन करके आत्मगौरव का अनुभव करता है ठीक इसी तरह से हम इलेक्ट्रो होम्योपैथ भी अपने धर्म का निर्वहन करते हुए गौरव का अनुभव करते हैं शौर्य और पराक्रम का मतलब हम अपने बौद्धिक बल से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का इतना विकास करें कि जन–जन की जुबान पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी का नाम हो।

हमने उपेक्षा का जो दंश झेला है यदि उसके शमन का अवसर हमें प्राप्त हुआ है तो हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथों को चाहिये कि अपनी प्रतिभा का कौशल दिखाते हुए इस अवसर का पूरा लाभ उठायें परिस्थितियां पल–पल बदलती रहती हैं, कल जो था वह आज नहीं है और जो आज है वह कल भी रहे यह आवश्यक नहीं है, ऐसा नहीं है कि हमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करवाने के अवसर नहीं प्राप्त हुए हैं ! अवसर भी मिले हैं और हमने उन्हें भूनाने का प्रयास भी किया है परन्तु सरकार की उपेक्षापूर्ण नीतियों के चलते हम उस स्थान को प्राप्त नहीं कर सके जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अपेक्षित है, कभी कभी गम्भीरता से विचार करने पर जो बात उभर कर आती है तो मन विचलित हो जाता है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की इस गति के लिए जितनी दोषी सरकार है उससे कम दोष हम सब का भी नहीं है।

वर्षों–वर्षों तक उपेक्षा झेलने के बाद भी हम आज तक वैचारिक एकता में सफल नहीं हो पा रहे हैं ! जबकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में ही सबका विकास निहित है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के स्थापित होने से किसी को भी व्यवसायिक हानि नहीं होनी है लाभ सबको मिलेगा कम या ज़्यादा यह तो अपनी–अपनी कार्य क्षमता पर निर्भर करेगा इसलिये व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा तो होनी ही नहीं चाहिये यह अलग बात है कि अलग–अलग समूहों में बंटी इलेक्ट्रो होम्योपैथी में नेतृत्व–कर्ताओं के लाभ हानि की गणित अवश्य गड़बड़ हो सकती है।

जब भी कोई आन्दोलन अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है सहयोग तो सबका होता है परन्तु आगे कोई एक ही होता है इसलिये आगे और पीछे की भावना से ऊपर उठकर मात्र इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास रथ को आगे बढ़ाने का प्रयास होना चाहिये, यह अवसर हम सब को प्राप्त हुआ है 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार ने जो नोटिस जारी किया है उस नोटिस का गहनता के साथ अध्ययन करते हुए आगे की रणनीति बनानी चाहिये, जब से यह नोटिस आयी तभी से पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वातावरण एकदम से ठण्डा हो गया है एक तो ठण्ड का मौसम ऊपर से इस नोटिस की कोल्ड वेव्स, कभी ज़्यादा ठण्डक भी वातावरण को कष्टकारी कर जाता है इसलिए शान्त मन और शान्त भाव से इस क्षेत्र में कोई निर्णय लेना होगा, आधी अधूरी जानकारी के साथ सरकार के पास जाना कहाँ की बुद्धिमानी होगी और सारी जानकारी एकत्रित करने के लिए दूसरों से परहेज नहीं करना चाहिये, परन्तु इसे क्या कहें जिस तरह की उठापटक दिखायी दी वह कोई शुभ संकेत नहीं हैं, देश में वर्षों से संचालित हो रही इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर सबका समान अधिकार है, सबकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिये यह अलग बात है कि कोई ज़्यादा बुद्धिमान होता है और कोई धीरे–धीरे समझता है, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो शब्दों की बाज़ीगरी से सामने वालों को ऐसा सम्मोहित कर लेते हैं कि सामने वाला व्यक्ति यथार्थ और आभासी में अन्तर ही नहीं स्थापित कर पाता।

हमें अपनी जड़ें नहीं भूलनी चाहिये सम्भव है कि नई पीढ़ी ज़्यादा बुद्धिमान हो, ज़्यादा चमकदार हो और कलाबाजियों से ज़्यादा धन भी अर्जित कर लिया हो परन्तु उसकी पहचान अपनी जड़ों से ही होती है, बहुत सम्भव है कि हमारे कुछ नवजवान साथियों ने कुछ अर्जित किया हो परन्तु इस अर्जन के लिए यदि हमें मैटी का मूल्य चुकाना पड़े तो कदाचित यह किसी भी इलेक्ट्रो होम्योपैथ को स्वीकार नहीं होगा।

मैटी और इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक दूसरे का पर्याय हैं, मैटी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी का अविष्कार किया था, इलेक्ट्रो होम्योपैथी मैटी की ही देन है यदि कोई इस विषय पर अलग राय रखता है तो वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी का हित साधक नहीं हो सकता है, मैटी जब तक जीवित रहे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए काम करते रहे उनके जाने के बाद उनके कार्य को वेन्ट्रोली मैटी ने गति दी, क्योंकि वेन्ट्रोली मैटी एवं उनके आश्रितों के बाद जिसको जैसा जी चाहा उसने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह नाम दिया।

सन 1930 में जर्मनी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कॉम्पलेक्स होम्योपैथी का नाम दिया गया, सन 1952 में इसे जे0 एस0 ओ0 मोड आफ मेडिकल ट्रीटमेन्ट के नाम से पहचाना गया, कितना भी बदलाव आया हो लेकिन इलेक्ट्रो शब्द का मोह कोई नहीं छोड़ पाया, नाम कोई भी रहा हो पर उसके प्रणेता के रूप में मैटी ही स्थापित रहे इन गुज़रे वर्षों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने कई रूप, कई रंग देखे हैं सबकुछ बदला, परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सिद्धान्त नहीं बदला और न ही मैटी बदले।

आज कई वर्षों के बाद फिर जब भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नियमतीकरण की जो नई अलख जलायी है हमें उसे और रोशनी देनी है इस रोशनी देने के लिए हमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इतिहास को बहुत मज़बूती के साथ सरकार के समक्ष रखना है हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि सरकार के जो अधिकारी हमारे पक्षों को सुनेंगे वह इलेक्ट्रो होम्योपैथ को छोड़कर बाकी सब कुछ होंगे इसलिए हमे बड़ी चतुराई के साथ एक–एक बिन्दु पर गम्भीरता से चिन्तन करते हुए विवेक का प्रयोग करना चाहिये मैटी के जन्म दिवस पर अपना योगदान दें, समय के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना आज की आवश्यकता है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में वह सबकुछ है जो सरकार चाहती है यह तो सरकार की चालाकी है कि उसने मान्यता के विषय को बड़ी चालाकी के साथ एक नया मोड़ दे दिया है, इस नोटिस में सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि अधिशासी आदेश निर्गत करेगी साथ–साथ धमकी भी दी है कि कमेटी जो निर्णय लेगी उस निर्णय के विरूद्ध कुछ भी सुना नहीं जायेगा, यह असम्भव सी बात है, यह आवश्यक नहीं है आज जो कुछ भी सरकार के पास पहुँचे वही अन्तिम हो इसलिए सम्भावनायें कभी समाप्त नहीं होती हैं समय के अनुरूप सम्भावनायें बनती और बिगड़ती हैं लेकिन वर्तमान परिस्थिति में हमें सब कुछ छोड़कर सिर्फ और सिर्फ इस बात पर विचार करना होगा कि वह सारी की सारी सामग्री सरकार तक पहुँचायी जाये जिससे कि सरकार संतुष्ट हो और इलेक्ट्रो होम्योपैथी को एक नयी व स्थायी दिशा मिल सके।

वैसे हमारी यही कामना है कि जो भी लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े हैं वह सदभावना के साथ आपस में जुड़े रहें क्योंकि सामूहिक प्रयास से ही सफलता मिले तो आनन्द अधिक मिलता है।

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 21 जून, 2011 को जो आदेश दिया गया है उसे भी ध्यानपूर्वक हमें समझना चाहिये इसमें भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर कहीं भी रोक जैसी बात नहीं है, हमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी का इतना प्रचार व प्रसार करना पड़ेगा जबतक जन–जन की ज़बान पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी का नाम न हो जाये।

हमें अपने आपसे पूछना पड़ेगा, आत्म मंथन करना पड़ेगा कि इतना अच्छा आदेश भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है यदि उन्हीं बिन्दुओं पर कार्य सुचारु रुप से कर लिया जाये तो जन आन्दोलन के माध्यम से सरकार को हम मजबूर कर सकते हैं कि वह इस पद्धति को स्वीकार करने मे तनिक भी देर न लगाये और इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह सम्मान दे जिसकी वह हकदार है।

Electro Homoeopathic Medical Association of India

Happy New Year

2026

To

All Members & Well Wishers

Happy New Year to all Stockists & Distributers

2026

National Drugs & Pharmaceutical
127/204 'S' Juhi, KANPUR-14

इलेक्ट्रो होम्योपैथी
से सम्बंधित नवीन समाचारों हेतु पढ़ें
चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र
पाक्षिक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
नव वर्ष मंगलमय हो

बी० ई० एच० एम० के लिए डा० अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

JANUARY 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

FEBRUARY 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28

MARCH 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

APRIL 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

MAY 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

Dr. Count Ceasure Mattei 11th January,1809

JUNE 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

JULY 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

AUGUST 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

SEPTEMBER 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

OCTOBER 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

NOVEMBER 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

DECEMBER 2026

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

Un forgettable dates

04 January → *Adhikar Diwas*

11 January → *Mattei Diwas*

03 April → *Mattei Nirwan Diwas*

24 April → *Board's Foundation Day*

21 June → *Vijay Diwas*

25 July → *EHMAI Foundation Day*

04 September → *Mattei Nirwan Diwas*

30 November → *Prerna Diwas*

(Dr. N.L. Sinha Jayanti)